बौद्ध धर्म सभाएं, परिषद एवं संगीतियां

डॉ. कमलेश कुमार

सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग

SNSRKS COLLEGE SAHARSA

बुद्ध की मृत्यु के बाद अलग-अलग विवादों को लेकर समय-समय पर कई बौद्ध संगीतियाँ या सभाएं हुई हैं, इनमें से 4 सर्वाधिक प्रमुख बौद्ध संगीति निम्नलिखित है.

प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन

[प्रश्न- प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन किसके शासनकाल में हुआ था]

प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन राजगृह में 483 BC में हुआ. इसे मगध सम्राट अजातशत्रु (हर्यक वंश) के द्वारा आहूत किया गया था. प्रथम बौद्ध संगीति के अध्यक्ष महाकश्यप थे. यह सम्मेलन पालि भाषा में सम्पन्न हुआ. प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन तो किया गया लेकिन इसमें मतों को लेकर बंटवारा नहीं किया जा सका. अर्थात बौद्ध धर्म के विभाजन से संबंधित निर्णय नहीं लिया जा सका.

द्वितीय बौद्ध परिषद का आयोजन

[प्रश्न- द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन किसके शासनकाल में हुआ था]

द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन वैशाली में 383 BC में किया गया. द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन मगध सम्राट कालाशोक (शिशुनाग वंश) के शासन काल में किया गया. द्वितीय बौद्ध सम्मेलन के अध्यक्ष सबकमीर / सबकामी थे. यह सम्मलेन पालि भाषा में सम्पन्न हुआ. द्वितीय बौद्ध परिषद में बौद्ध धर्म का स्थिवरवादिन एवं महासांघिक में विभाजन हो गया. स्थिवरवादिन कठोर धर्म पालन के समर्थक थे जबकि महासांघिक उदारवादी समर्थक थे.

तृतीय बौद्ध सभा का आयोजन

[प्रश्न- तृतीय बौद्ध संगीति का आयोजन किसके शासनकाल में हुआ था]

तृतीय बौद्ध संगीति का आयोजन अशोक के शासन काल में 251BC /249 BC में बुलाई गई थी. तृतीय बौद्ध सम्मेलन पाटलिपुत्र में सम्पन्न हुआ. इसके अध्यक्ष मोगालिपुतस तिस्म थे. सम्मेलन पालि भाषा में सम्पन्न हुआ. हालाँकि तीसरी बौद्ध सभा में कोई बंटवारा न हो सका.

चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन

[प्रश्न- चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन किसके शासनकाल में हुआ था]

चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन कुषाण शासक कनिष्क के शासन काल में 95 AD में कुंडवन (जम्मू & कश्मीर) में हुआ. चतुर्थ बौद्ध सम्मेलन में पालि के आलावा संस्कृत भाषा का उपयोग किया गया. इस सम्मलेन की अध्यक्षता वसुमित्र एवं उपाध्यक्षता अवरघोष ने की. चतुर्थ बौद्ध संगीति में बौद्ध धर्म का हीनयान एवं महायान में विभाजन हो गया.